जय द्वारकाधीश

GLOBAL R CONNECT

YOUR PERFECT TRAVEL PARTNER

- **तीर्थ स्थल:**

  द्वारका, बेट द्वारका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग और सोमनाथ

- **यात्रा तिथि:**

- **यात्रा पैकेज:**
- **(एसी-3 ,ट्रेन टिकट के साथ) - 19590/-**
- **(स्लीपर ट्रेन टिकट के साथ) - 16070/-**

संक्षिप्त यात्रा विवरण

Day1	यात्रा प्रारम्भ चांपा, बिलासपुर और रायपुर से
Day2	सोमनाथ
Day3	सोमनाथ और द्वारका
Day4	बेट द्वारका और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग
Day5	वापसी की यात्रा प्रारम्भ
Day6	यात्रा संपन्न

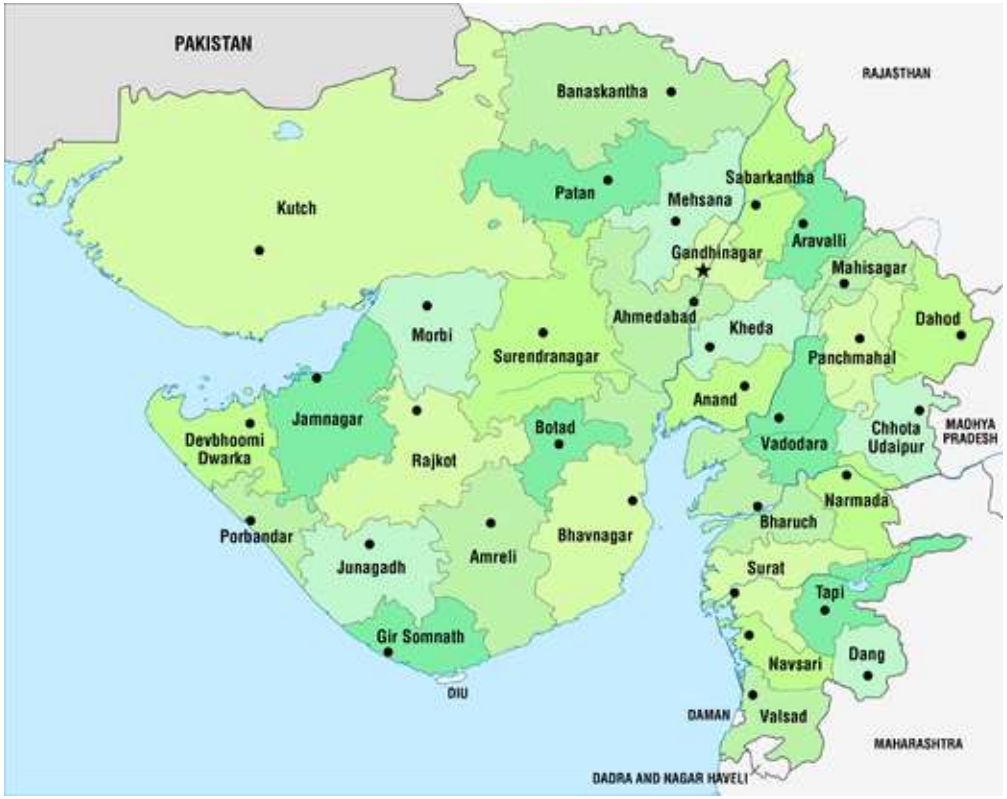

द्वारका एक अति-महत्वपूर्ण हिन्दू तीर्थस्थल है।
यह हिन्दुओं के साथ सर्वाधिक पवित्र तीर्थों में से एक तथा चार धामों में से एक है। यह सात पुरियों में एक पुरी है। जिले का नाम द्वारका पुरी से रखा गया है।
यह नगरी भारत के पश्चिम में समुद्र के किनारे पर बसी है। हिन्दू धर्मग्रन्थों के अनुसार, भगवान कृष्ण ने इसे बसाया था। यह श्रीकृष्ण की कर्मभूमि है। द्वारका भारत के सात सबसे प्राचीन शहरों में से एक है।

श्री बेट द्वारकाधीश मंदिर, द्वारका द्वीप पर भगवान कृष्ण के निवास स्थान पर ही है, मंदिर में श्री कृष्ण की मूल मूर्ति उनकी पत्नी देवी रुक्मणी द्वारा स्थापित की गई है।
मंदिर की वर्तमान संरचना 500 वर्ष पहले श्री वल्लभाचार्य जी द्वारा स्थापित की गई है।
यह भी माना जाता है कि, श्री कृष्ण और उनके मित्र सुदामा इस जगह पर ही मिले थे और उन्होंने श्री कृष्ण को उपहार स्वरूप चावल भेंट किए। अतः अपनी द्वारका धाम यात्रा के दौरान, भक्तों द्वारा ब्राह्मणों को चावल दान करने की महिमा है।

नागेश्वर मन्दिर एक प्रसिद्ध मन्दिर है जो भगवान शिव को समर्पित है। यह द्वारका, गुजरात के बाहरी क्षेत्र में स्थित है। यह शिव जी के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है।
हिन्दू धर्म के अनुसार नागेश्वर अर्थात नागों का ईश्वर होता है। यह विष आदि से बचाव का सांकेतिक भी है।
रुद्र संहिता में इन भगवान को **दारुकावने नागेशं** कहा गया है। भगवान् शिव का यह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग गुजरात प्रांत में द्वारका पुरी से लगभग 17 मील की दूरी पर स्थित है। इस पवित्र ज्योतिर्लिंग के दर्शन की शास्त्रों में बड़ी महिमा बताई गई है।

सोमनाथ मन्दिर भारतवर्ष के पश्चिमी छोर पर गुजरात प्रदेश स्थित, अत्यन्त प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मन्दिर का नाम है। यह भारतीय इतिहास तथा हिन्दुओं के चुनिन्दा और महत्वपूर्ण मन्दिरों में से एक है।
इसे आज भी भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में माना जाता है।
गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के वेरावल बन्दरगाह में स्थित इस मन्दिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में स्पष्ट है।

उपलब्ध	अनुपलब्ध
➢ यात्रा के सभी ट्रेन टिकट	➢ यात्रा की अवधि में किए जाने वाले व्यक्तिगत खर्चे
➢ होटल बुकिंग: द्वारका और सोमनाथ में एसी रूम प्रति रूम दो व्यक्ति के अनुसार	➢ होटल के कमरे में किए जाने वाले व्यक्तिगत खर्चे
➢ यात्रा की अवधि में प्रातःकाल का नाश्ता, दोपहर और रात्रि का भोजन (नाश्ता -6 दोपहर का भोजन -6 और रात्रि का भोजन-5) (नाश्ता और भोजन शुद्ध शाकाहारी और संतुलित होगा)	➢ व्यक्तिगत यात्रा बीमा
➢ द्वारका और सोमनाथ में ऑटो रिक्शा, टैक्सी, बस और नाव के शुल्क	➢ ऐसी कोई भी सेवा जो कार्यक्रम में उल्लेखित नहीं है

विशेष:

- **यात्रा से पूर्व COVID 19 पूरी तरह से टीकाकरण का प्रमाण पत्र अनिवार्य है**
- **यात्रा अवधि में कोविड 19 नियमों का पालन अनिवार्य है**

Travel Partner: GLOBAL R CONNECT

Travel Consultant:
Rajesh Dwivedi

C 401,
Vijaya Apartment
R.S.S. NAGAR
KORBA 495677
CHHATTISGARH

Contact: +91 9329550848
+91 7987830084
WhatsApp: +91 9406273436

Email: info@globalrconnect.com

Website: https://www.globalrconnect.com